पाठ १२ तोसिया का सपना

कहानी का सारांश

एक दिन तोसिया ने एक अजीब सपना देखा। उसने सपने में देखा कि दुनिया के सारे रंग उड़ गए हैं। सब कुछ सफेद हो गया है। तोसिया थोड़ी डरी हुई, लेकिन फिर सोचने लगी कि क्या यह सपना सच हो सकता है। तोसिया ने रसोई में जाकर देखा कि वहां बहुत सारे रंगबिरंगे मसाले थे। लाल मिर्च, जीरा, हल्दी, धनिया, मेथी आदि। फिर वह बाहर बगीचे में गई, वहां भी बहुत सारे रंगबिरंगे फूल थे। वह देखी कि उसके कपड़ों में भी रंग हैं। घर में भी सभी जगह रंग दिख रहे हैं। तोसिया को यह देखकर बहुत खुशी हुई कि रंग गए नहीं हैं। उसने रंगों को गिनना शुरू किया और बहुत आनंद लिया।

बच्चों, इस कहानी में रंगों के माध्यमसे यह सिखने को मिलता है कि हमें हरदम खुस रहना चहिये। जिस तरह बिना रंग के दुनिया आछी नहीं लगती उसही तरह बिना खुशियों के हमारा जीवन भी फिक्का लगता है।

शब्दार्थ:

सपना - ख़्वाब

दुनिया - विश्व, जग

रंगबिरंगे - विभिन्न रंगों से भरपूर

मसाले - खाने में डालने वाले पदार्थ

कपड़ों - वस्त्र

घबरा गई - डर गई

गायब - अदृश्य

बाज़ार - हाट, मंडी

चुन्नियाँ - दुपट्टा, ओढ़नी

आनंद - खुशी, सुख

प्रश्न-अभ्यास

बातचीत के लिए

1. क्या आप कभी कोई सपना देखकर खुशी या डर से उठे हैं?

उत्तर – हाँ, मैं कभी-कभी ऐसे सपने देखता हूँ जिनसे मैं खुशी या डर से उठ जाता हूँ। कुछ सपने ऐसे होते हैं जो बहुत ही सुखद होते हैं और उनसे मैं उठने के बाद भी खुश रहता हूँ। जैसे कि मैं सपने में अपने परिवार के साथ कहीं घूमने जा रहा होता हूँ या फिर मैं कोई नई चीज सीख रहा होता हूँ। ऐसे सपनों से मैं उठने के बाद भी उसी खुशी को महसूस करता रहता हूँ।

2. अपने सपनों के बारे में बातचीत कीजिए।

उत्तर - एक बार मैंने एक सपना देखा था कि मैं एक बड़े से जंगल में घूम रहा था। जंगल में बहुत सारे पेड़ थे और उन पेड़ों पर बहुत सारे रंग-बिरंगे फूल लगे हुए थे। मैं फूलों की खुशबू ले रहा था और बहुत खुश महसूस कर रहा था। जब मैं सपने से उठा तो मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने अपने दोस्तों और परिवार वालों से सपने के बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही सुखद सपना है और इसका मतलब है कि मैं एक खुशहाल जीवन जी रहा हूँ।

3. इस कहानी में कौन-कौन से रंग हैं?

उत्तर - इस कहानी में निम्नलिखित रंग हैं:लाल, पीला, नीला, हरा, नारंगी, गुलाबी, बैंगनी, फिरोज़ी, आसमानी, भूरी।

4. संसार में रंग ना हों तो कैसा लगेगा?

उत्तर - संसार में रंग नहीं होगें तो संसार सफ़ेद-सफ़ेद हो जायेगा। यानि रंगहीन।

खोजें-जानें

( ) तोसिया ने नानी से उनके सफ़ेद बालों के बारे में पूछा।

( ) तोसिया बाज़ार गई जहाँ रंगीन पतंगें, चुन्नियाँऔर गुब्बारे थे।

( ) तोसिया बगीचे में गई जहाँ तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल थे।

( ) तोसिया ने सपना देखा कि सब कुछ सफ़ेद हो गया है।

( ) तोसिया ने रसोई में रंगीन मसाले देखे।

( ) तोसिया घर आकर दोपहर को सो गई।

उत्तर -

तोसिया ने नानी से उनके सफ़ेद बालों के बारे में पूछा।	6
तोसिया बाज़ार गई जहाँ रंगीन पतंगें, चुन्नियाँऔर गुब्बारे थे।	4
तोसिया बगीचे में गई जहाँ तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल थे।	3
तोसिया ने सपना देखा कि सब कुछ सफ़ेद हो गया है।	1
तोसिया ने रसोई में रंगीन मसाले देखे।	2
तोसिया घर आकर दोपहर को सो गई।	5

शब्दों का खेल

1. रंगों में छुपे शब्द खोजिए और लिखिए –

गुलाबी में गुलाब

आसमानी में .....

बैंगनी में .....

सिंदूरी में .....

उत्तर - आसमानी में आसमान

बैंगनी में बैंगन

सिंदूरी में सिंदूर

2. रसोई में रंग –

तोसिया ने रसोई में रंग ही रंग देखे। मिर्च ..... रंग की। काली मिर्च ..... रंग की। हल्दी ..... रंग की। सरसों ..... रंग की। धनिया पत्ती ..... रंग की और मेथीदाना ..... रंग का।

उत्तर - तोसिया ने रसोई में रंग ही रंग देखे। मिर्च **लाल** रंग की। काली मिर्च **काले** रंग की। हल्दी **पीले** रंग की। सरसों **पीले** रंग की। धनिया पत्ती **हरे** रंग की और मेथीदाना **पीले** रंग का।